https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या 8

अनुक्रमांक ....

नाम ....

901

801(DK)

2013
हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टा 15 मिनट] *[पूर्णाङ्क : 70*

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से सही कथन छाँटकर लिखिए : 1

(i) 'ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से' रामधारी सिंह 'दिनकर' का उपन्यास है।

(ii) 'क्या लिखूँ' डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का निबन्ध है।

(iii) 'अजन्ता' जयप्रकाश भारती की कहानी है।

(iv) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है।

(ख) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

(i) आषाढ़ का एक दिन (ii) आत्मनेपद

(iii) शृंखला की कड़ियाँ (iv) कविता के नये प्रतिमान

[P.T.O.

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ग) 'नीड़ का निर्माण फिर' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) किसी एक 'जीवनी' लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) 'मतवाला' पत्रिका के सम्पादक का नाम लिखिए। 1

2. (क) 'प्रयोगवाद' के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 2

(ख) रीतिबद्ध काव्यधारा के किसी एक कवि का नाम लिखते हुए उसकी एक रचना का नाम लिखिए। 2

(ग) 'कनुप्रिया' किसकी रचना है ? 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) दूर के ढोल सुहावने होते हैं, क्योंकि उनकी कर्कशता दूर तक नहीं पहुँचती। जब ढोल के पास बैठे हुए लोगों के कान फटते रहते हैं, तब दूर किसी नदी के तट पर, संध्या के समय किसी दूसरे के कान में वही शब्द मधुरता का संचार कर देते हैं। ढोल के उन्हीं शब्दों को सुनकर वह अपने हृदय में किसी के विवाहोत्संव का चित्र अङ्कित कर लेता है। कोलाहल से पूर्ण घर के एक कोने में बैठी हुई किसी लज्जाशीला नव-वधू की कल्पना वह अपने मन में कर लेता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) दूर के ढोल सुहावने क्यों होते हैं ?

(ख) इन पिछले जन्मों में बुद्ध ने गज, कपि, मृग आदि के

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

रूप में विविध योनियों में जन्म लिया था और संसार के कल्याण के लिए दया और त्याग का आदर्श स्थापित करते वे बलिदान हो गये थे। उन स्थितियों में किस प्रकार पशुओं तक ने मानवोचित व्यवहार किया था, किस प्रकार औचित्य का पालन किया था, यह सब उन चित्रों में असाधारण खूबी से दर्शाया गया है और उन्हीं को दर्शाते समय चितेरों ने अपनी जानकारी की गाँठ खोल दी है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) अपनी जानकारी की गाँठ खोलने का क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्यसौन्दर्य लिखिए : 1+4+1=6

(क) ऊधौ मन न भए दस बीस
एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग को अवराधै ईस।
इन्द्री सिथिल भईं केसब बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्यामसुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारैं नन्दनंदन बिनु, और नहीं जगदीस॥

(ख) चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

मुझे तोड़ लेना बनमाली,
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृ-भूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पर जावें वीर अनेक॥

5. निम्नलिखित का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3=4

नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तरं दातुं समर्थः न अभवत्, अतः ग्रामीणम् अवदत्, अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि। इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत् यदि भवान उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरुप्यकाणि। अतः म्लानमुखेन नागरिकेण-समयानुसारं दशरुप्यकाणि दत्तानि।

अथवा

कोकिल ! यापय दिवसान् तावद् विरसान् करीलविटपेषु।
यावन्मिलदलिंमालः कोऽपि रसालः समुल्लसति॥

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी एक प्रसिद्ध रचना का उल्लेख कीजिए : 2+1=3

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी एक प्रसिद्ध रचना का उल्लेख कीजिए : 2+1=3

(i) 'रसखान' (ii) सुभद्रा कुमारी चौहान

(iii) रामनरेश त्रिपाठी

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए: 1+1=2

(i) हंसस्य किं कुलव्रतम अस्ति ?
(ii) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्ता भवति ?
(iii) इन्दुदर्शनेन कः वर्धते ?
(iv) आतुरस्य मित्रं किम् अस्ति ?

8. (क) करुण रस की परिभाषा लिखिए तथा उसका एक उदाहरण दीजिए। 2

अथवा

हँसि-हँसि भाजैं देखि दूलह दिगम्बर कौ,
पाहुनी जे आवैं हिमाचल के उछाह में।

उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त रस का नाम तथा स्थायीभाव लिखिए।

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) रोला छन्द की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण लिखिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए: 1+1+1=3

(i) अनु (ii) उप (iii) परि
(iv) सह (v) अधि (vi) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द लिखिए: 1+1=2

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(i) ता (ii) पन (iii) आई
(iv) वा (v) वट

(ग) निम्नांकित में से किन्हीं दो में समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए: 2

(i) अन्न-जल (ii) अष्टकोण
(iii) पवनपुत्र (iv) स्वर्णकलश

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए: 2

(i) ओठ (ii) भीख (iii) फूल (iv) मौत।

(ङ) निम्नांकित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: 2

(i) समुद्र (ii) कमल (iii) अग्नि (iv) सूर्य

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए: 2

(i) महा + ओषधि (ii) प्रति + उत्तरम्
(iii) लृ + आकृतिः (iv) यदि + अपि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए: 2

(i) पश्यताम् (ii) हसामः
(iii) अपठाव (iv) पचसि

(ग) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए: 2

(i) मधु अथवा मति
(ii) फल अथवा नदी

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नांकित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) वाराणसी गंगा के पावन तट पर स्थित है।

(ii) मैं प्रतिदिन स्नान करता हूँ।

(iii) देशभक्त निर्भीक होते हैं।

(iv) हम सब भारत के नागरिक हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) देशाटन का महत्व

(ii) वृक्षारोपण

(iii) परोपकार ही जीवन है

(iv) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

(v) पुस्तकालय से लाभ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नांकित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए। 3

(क) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर पृथ्वीराज सर्ग का सारांश लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'राजसूय-यज्ञ' का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(घ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य का उद्देश्य लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ज) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' के षष्ठ सर्ग का उल्लेख कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

https://www.upboardonline.com